बुधवार
1 अप्रैल, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 57 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
• सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
• स्मार्ट क्लास
• सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
• कंप्यूटर क्लास

भारत की राष्ट्रपति नालन्दा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में हुई शामिल

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राजगीर परिसर में आयोजित नालन्दा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विद्यार्थियों को संबोधित किया। यह अवसर विश्वविद्यालय के पुनरुत्थान और वैश्विक जुड़ाव की निरंतर यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने इस दीक्षांत समारोह को एक शाश्वत सभ्यतागत संकल्प की पुनरावृत्ति बताया- कि ज्ञान का अंत नहीं होगा, संवाद बना रहेगा और शिक्षा मानवता की सेवा करती रहेगी। उन्होंने स्नातक होने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और इस बात की सराहना की कि इस बैच में 30 से अधिक देशों के छात्र शामिल हैं, जो इसके सशक्त अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को दर्शाता है।

राष्ट्रपति ने अपने भाषण में विशेष रूप से उल्लेख किया: "यह देखकर प्रसन्नता होती है कि आज का नालन्दा विश्वविद्यालय भी अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। यह नालन्दा विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित ज्ञान एवं शिक्षा केंद्र के रूप में पुनः उभरने का शुभ संकेत है। मुझे विश्वास है कि नालन्दा विश्वविद्यालय एशिया और विश्व में एक अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में उभरेगा। यह न केवल अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि अपने मूल्यों के लिए भी विशिष्ट पहचान बनाएगा। मुझे यह देखकर प्रसन्नता होती है कि विश्वविद्यालय इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग (अन्तरविषयक शिक्षण), अंतरराष्ट्रीय सहयोग और स्थानीय समुदायों के साथ सहभागिता के माध्यम से इस दिशा में निरंतर अग्रसर है।"

विश्वविद्यालय की 'सहभागिता' पहल पर राष्ट्रपति ने आगे कहा: "किसी भी विश्वविद्यालय के लिए अपने स्थानीय परिवेश से जुड़े रहना भी आवश्यक होता है। उसकी प्रगति का लाभ उस स्थानीय समाज को भी मिलना चाहिए, जहाँ वह स्थापित है। मैं विश्वविद्यालय की 'सहभागिता संवाद' पहल की सराहना करती हूँ, जिसके माध्यम से स्थानीय समुदायों और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के साथ जुड़ने के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।"

बिहार के राज्यपाल, सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने नालन्दा विश्वविद्यालय को निरंतरता और नवीनीकरण का प्रतीक बताया, जो अतीत के ज्ञान को वर्तमान की आकांक्षाओं के साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उन स्थायी मूल्यों का प्रमाण है जो मानवता के भविष्य का मार्गदर्शन कर सकते हैं।भारत के विदेश मंत्री, डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के अद्वितीय अंतरराष्ट्रीय चरित्र पर जोर दिया। उन्होंने कहा: "यह विश्वविद्यालय अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप में अद्वितीय है। वैश्वीकरण के इस युग में इसका महत्व और भी बढ़ गया है। जैसे-जैसे हम 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहे हैं, यह आवश्यक है कि भारत दुनिया के लिए तैयार हो और दुनिया भारत के लिए। इसके लिए आने वाली पीढ़ियों को वैश्विक घटनाक्रमों के प्रति अधिक संवेदनशील और जुड़ा हुआ होना होगा। मुझे विश्वास है कि यह स्नातक बैच इस दिशा में बदलाव लाएगा। विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्र अपने देशों में वापस जाकर भारत के दूत बनेंगे।"

डॉ. जयशंकर ने आगे कहा कि नालन्दा की परंपरा वैश्विक व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण में एक शक्तिशाली प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने याद दिलाया कि "विकास भी, विरासत भी"- यानी तकनीक और परंपरा को साथ-साथ चलना चाहिए।

बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री, श्री श्रवण कुमार ने नालन्दा के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का संस्थान नहीं, बल्कि चरित्र और बुद्धि के समग्र विकास का प्रतीक है।

कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने LEAP (लर्न, अर्न और पायनियर) कार्यक्रम, 'सहभागिता संवाद' और स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय समुदायों के साथ जुड़ाव जैसी प्रमुख शैक्षणिक और संस्थागत पहलों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने नवनिर्मित 2000 सीटों वाले अत्याधुनिक सभागार, 'विश्वामित्रालय' का उद्घाटन किया। उन्होंने 'सहभागिता प्रदर्शनी' का अवलोकन किया और स्थानीय समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद किया। साथ ही, उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

नालन्दा विश्वविद्यालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से बोधिसत्व अवलोकितेश्वर की एक प्रतिकृति तैयार कर राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न के रूप में भेंट की गई।यह द्वितीय दीक्षांत समारोह परंपरा और आधुनिकता, भारत और विश्व, तथा ज्ञान और मूल्यों के समन्वय के साथ भविष्य के जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व तैयार करने के नालन्दा के संकल्प का उत्सव है।

शीतला माता मंदिर में भगदड़: 9 श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल; मुख्यमंत्री ने जताया शोक

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। दीपनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित मां शीतला मंदिर में मंगलवार को पूजा-अर्चना के दौरान अचानक भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। अत्यधिक भीड़ के कारण स्थिति अचानक अनियंत्रित हो गई, जिससे अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य लोग घायल हो गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही नालंदा जिला पुलिस एवं प्रशासन की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका समुचित उपचार चल रहा है।

घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पटना प्रमंडल के आयुक्त और केंद्रीय क्षेत्र पटना के पुलिस महानिरीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं नालंदा के जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और उप विकास आयुक्त स्वयं मौके पर मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। राज्य सरकार की ओर से मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से 4-4 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये, कुल 6 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की गई है।

जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण किया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए दीपनगर थानाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मघड़ा शीतला मंदिर भगदड़ में हिलसा की महिला की मौत, मन्नत पूरी करने गई थी मालो देवी

हिलसा (अपना नालंदा)। मघड़ा स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार को हुई भगदड़ में हिलसा थाना क्षेत्र के अरपा गांव की 40 वर्षीय मालो देवी की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपने गांव के अन्य श्रद्धालुओं के साथ चैत्र माह के अंतिम मंगलवार को शीतला माता के दर्शन करने गई थीं। मंदिर परिसर में अत्यधिक भीड़ होने के कारण लंबी कतार लगी हुई थी। इसी दौरान अचानक बैरिकेडिंग टूटने से भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी के बीच श्रद्धालु एक-दूसरे को कुचलते हुए आगे बढ़ने लगे। इस हादसे में घटनास्थल पर ही करीब आठ महिलाओं की मौत हो गई, जिनमें मालो देवी भी शामिल थीं।

परिजनों के अनुसार मालो देवी छठ व्रत कर चुकी थीं और मन्नत पूरी होने के बाद शीतला माता के दर्शन करने गई थीं। लेकिन किसे पता था कि यह उनकी अंतिम यात्रा साबित होगी। हादसे की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

मालो देवी के पति अनिल केवट मद्रास में मजदूरी करते हैं। घर पर उनके दो बेटे नीतीश कुमार और रितीश कुमार, एक बेटी सुनीता कुमारी तथा बुजुर्ग सास-ससुर हैं। जैसे ही उनका शव गांव पहुंचा, पूरे माहौल में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

घटना की चश्मदीद पुनीत देवी, कांति देवी, लक्ष्मीनिया देवी, माया देवी, शांति देवी और सरोज देवी ने बताया कि गांव से कई लोग ऑटो से मंदिर गए थे। वहां भारी भीड़ थी और श्रद्धालु घंटों से कतार में खड़े थे। अचानक बैरिकेडिंग टूटते ही भगदड़ मच गई और कई महिलाएं मौके पर ही दम तोड़ दीं।

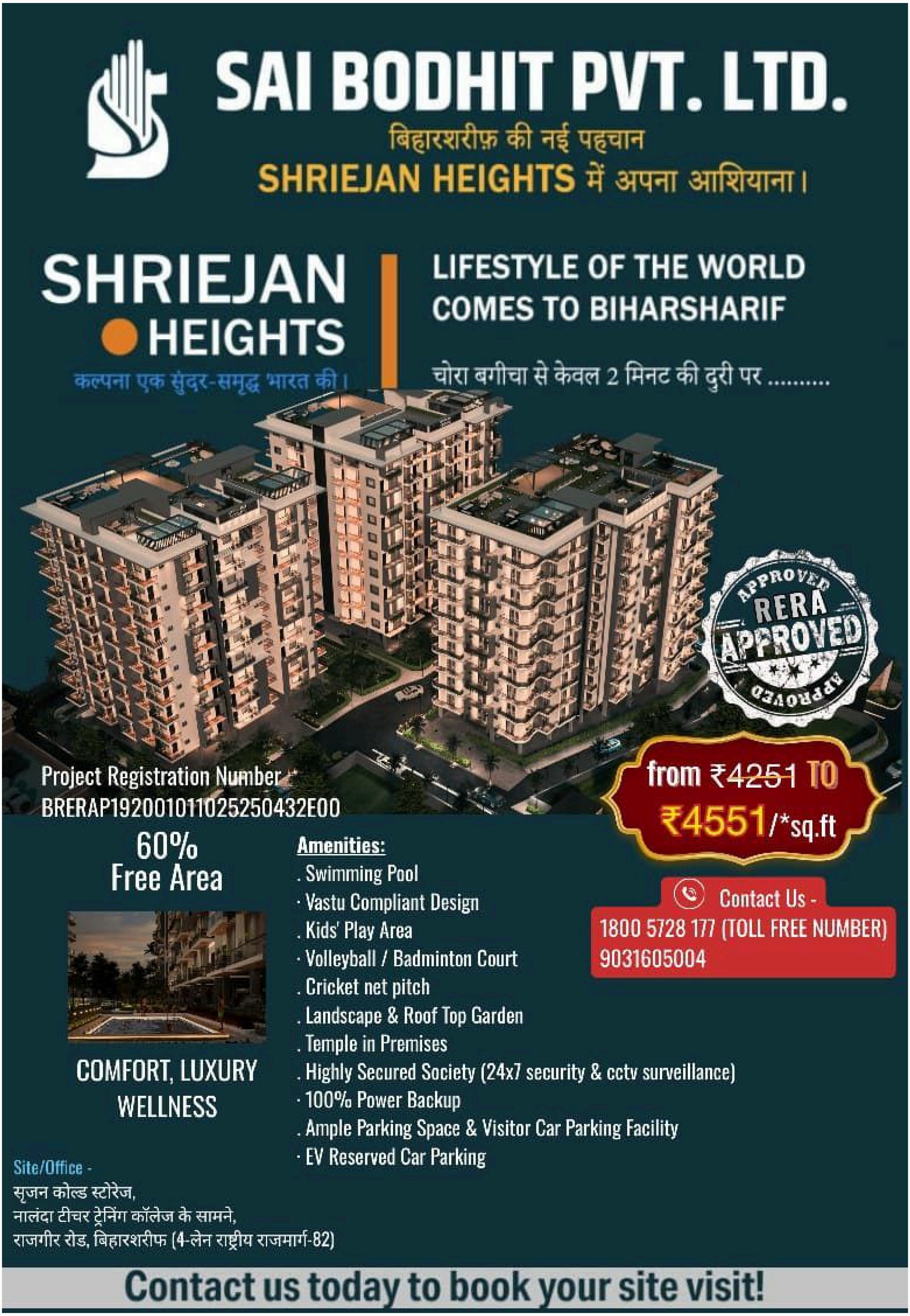
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525043200
from ₹4251 TO ₹4551/*sq.ft
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

असम में बिहार पैरा लॉन बाउल्स टीम का जलवा, नेशनल चैम्पियनशिप में जीते 9 पदक

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के अंतर्गत बिहार पैरा लॉन बाउल्स टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए असम में आयोजित नेशनल चैम्पियनशिप में कुल 9 पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया है।

नालंदा पैरा स्पोर्ट्स संगठन के सचिव एवं नेशनल पैरा खिलाड़ी कुंदन कुमार पांडे ने बताया कि गुवाहाटी स्थित अर्जुन भोगेश्वर बरूआ खेल परिसर में आयोजित द्वितीय पैरा लॉन बाउल्स नेशनल चैम्पियनशिप 2025-26 में बिहार की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, छह रजत तथा दो कांस्य पदक हासिल किए।

उन्होंने बताया कि नालंदा जिले के रहुई प्रखंड अंतर्गत इमामगंज गांव की खिलाड़ी नेहा कुमारी ने सिंगल इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम रोशन किया। वहीं बिहारशरीफ के कागजी मोहल्ला निवासी सुनील कुमार ने ट्रिपल इवेंट में रजत पदक प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया।कुंदन कुमार पांडे ने कहा कि बिहार टीम का समग्र प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा है। खिलाड़ियों की मेहनत और लगन के कारण ही यह सफलता संभव हो पाई है, जो राज्य के अन्य पैरा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक बनेगी। उन्होंने बताया कि सुनील कुमार वर्तमान में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना में खेल कोटा से कार्यरत हैं तथा नालंदा पैरा स्पोर्ट्स संगठन की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।इस उपलब्धि पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। वहीं रवि कुमार, सतनाम कबीर, प्रमोद कुमार सहित कई लोगों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

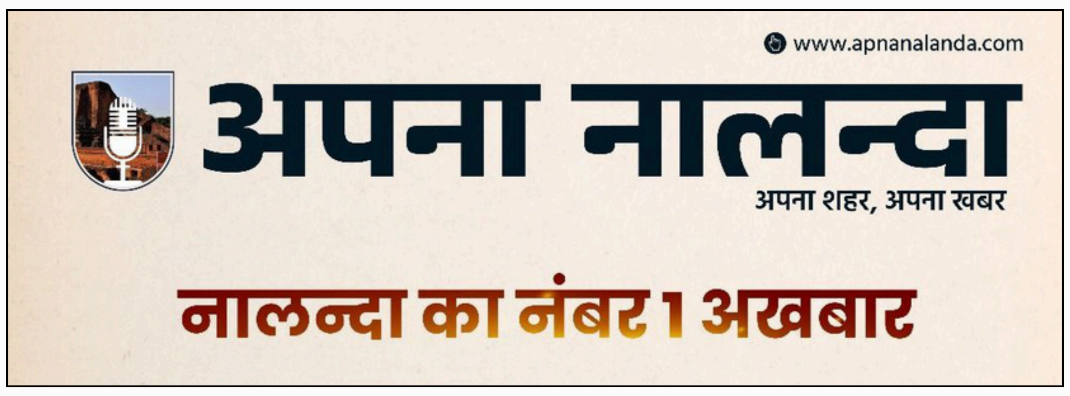

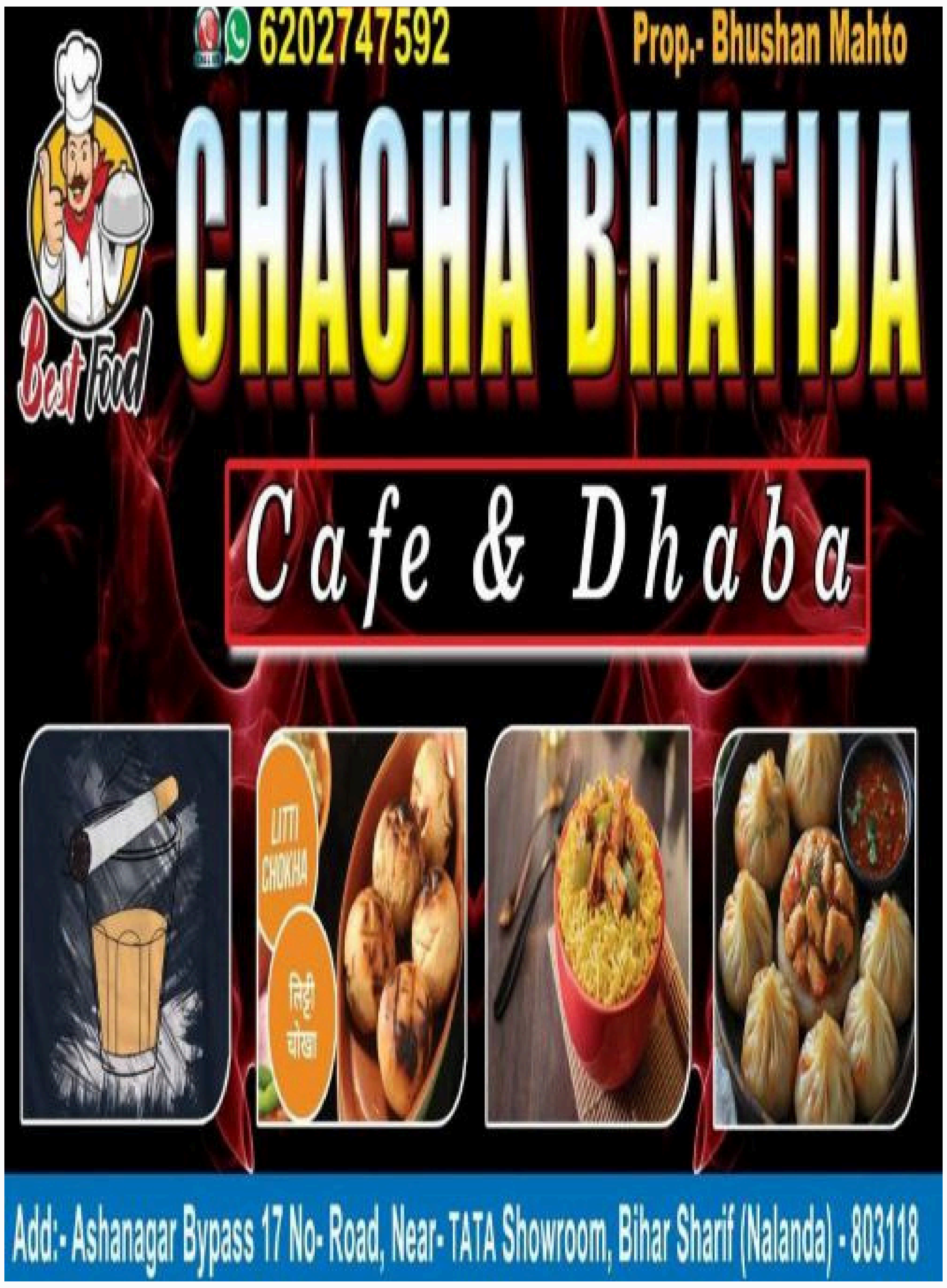

Kalope HOMES

All-in-One Home Solution

Luxury Interior with RealPlast UPVC

Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance

Material Partner: REAL PLAST

RealPlast UPVC is a next-generation interior material
that combines strength, safety, and luxury design.

Modular Kitchen
✓ Cabinets, shutters, drawers

TV Unit & Wall Panels
✓ Modern design, storage

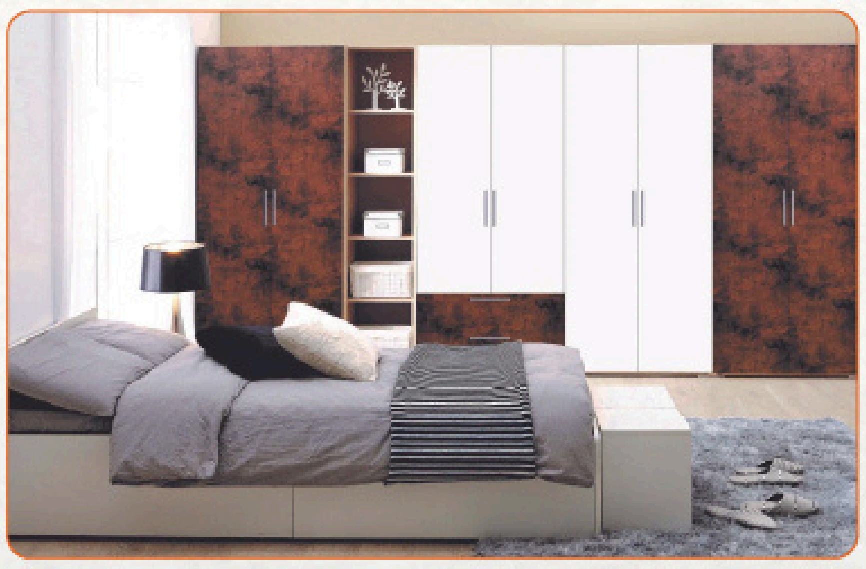

Wardrobes & Closets
✓ Sliding, swing, loft, drawers

Bathroom Vanities
✓ Waterproof & hygienic

+91 74887 06578
www.kalopehomes.com
Patna, Bihar

नूरसराय में सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों को नियुक्ति एवं पदस्थापन पत्र वितरित

नूरसराय (अपना नालंदा)।प्रखंड संसाधन केंद्र नूरसराय में मंगलवार को सक्षमता परीक्षा के तृतीय एवं चतुर्थ चरण के तहत काउंसलिंग पूर्ण कर चुके शिक्षकों के बीच औपबंधिक नियुक्ति पत्र, विद्यालय योगदान पत्र तथा पदस्थापन पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम विभागीय निर्देशानुसार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आनंद शंकर के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुबह 10 बजे से नियुक्ति पत्र वितरण की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें कई शिक्षकों को उनके नियुक्ति और पदस्थापन से संबंधित दस्तावेज सौंपे गए। इसी क्रम में उत्क्रमित मध्य विद्यालय अन्धना (उर्दू), नूरसराय की शिक्षिका तथा बिहार पंचायत-नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ नूरसराय के महिला प्रकोष्ठ की प्रखंड सचिव जीनत परवीन को भी सक्षमता परीक्षा के तहत औपबंधिक नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जीनत परवीन ने बताया कि उन्हें विशिष्ट शिक्षक पद पर नियुक्ति मिली है और वहआगामी 1 अप्रैल 2026 से नए शैक्षणिक सत्र में अपने विद्यालय में विधिवत योगदान देंगी। उन्होंने इस अवसर पर शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया से शिक्षकों को अपनी सेवा नियमित करने का अवसर मिल रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

इस अवसर पर शिक्षक संघ के जिला प्रभारी रीतेश कुमार, प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार, लेखापाल परवेज आलम, कंप्यूटर ऑपरेटर गुड़िया कुमारी, आईसीटी समन्वयक अनोज कुमार तथा आदेशपाल लक्ष्मण प्रसाद सहित कई शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम पूरे समय शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित शिक्षकों ने विभाग द्वारा पारदर्शी तरीके से नियुक्ति पत्र वितरण की प्रक्रिया को सराहनीय बताया और उम्मीद जताई कि इससे विद्यालयों में शैक्षणिक कार्य और अधिक सुदृढ़ होगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन से चमका हरेका, पूर्व मध्य रेलवे का बेस्ट वर्कशॉप अवार्ड मिला

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत रेल कोच मरम्मत कारखाना (हरेका) ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाते हुए पूर्व मध्य रेलवे जोन का बेस्ट वर्कशॉप बनने का गौरव हासिल किया है। आईसीएफ और एलएचबी कोचों की पीरियोडिकल ओवरहॉलिंग (पीओएच) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 28 मार्च को हाजीपुर स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में आयोजित 70वें विकसित रेल सेवा पुरस्कार समारोह में दिया गया।कारखाने की स्थापना के समय प्रति माह 50 नॉन एसी कोचों, यानी सालाना 600 कोचों के पीओएच का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन समय के साथ हरेका ने अपनी क्षमता और दक्षता को लगातार बढ़ाया है। वर्तमान में यह कारखाना राष्ट्रीय स्तर के आईसीएफ और अंतरराष्ट्रीय स्तर के एलएचबी कोचों का सफलतापूर्वक पीओएच कर रहा है। खास बात यह है कि निर्धारित लक्ष्य 50 कोचों के मुकाबले अब प्रतिमाह लगभग 70 कोचों का पीओएच किया जा रहा है।वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त होने से पहले ही कारखाना 850 से अधिक कोचों का पीओएच कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर चुका है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने कारखाना के मुख्य कार्य प्रबंधक आरआर प्रताप और तकनीशियनों को सम्मानित किया।इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए सीडब्ल्यूएम आरआर प्रताप ने कहा कि यह सफलता पूरी टीम के सामूहिक प्रयास और कर्मचारियों की मेहनत का परिणाम है। वहीं कारखाना परिसर में स्थित हेल्थ यूनिट को भी बेस्ट हेल्थ यूनिट का पुरस्कार मिला है, जो बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड के रेलकर्मियों और उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है।इसके अलावा तकनीशियन ग्रेड-2 श्यामजी ठाकुर को रेल सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नेहुसा बिगहा में 48 घंटे का अखंड संकीर्तन सम्पन्न, श्रद्धालुओं में बंटा महाप्रसाद

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के नेहुसा बिगहा गांव में आयोजित 48 घंटे का अखंड संकीर्तन मंगलवार को भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हो गया। समापन के साथ ही पूर्णाहुति की गई और श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तीन दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में आसपास के कई गांवों से आए श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

ग्रामीण जितेंद्र कुमार ने बताया कि गांव की सुख-समृद्धि और शांति की कामना के लिए प्रत्येक वर्ष देवी मंदिर प्रांगण में ग्रामवासियों के सहयोग से अखंड कीर्तन का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उन्होंने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत 28 मार्च को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। इस दौरान 151श्रद्धालुओं ने गंगा नदी से जल लेकर गांव तक कलश यात्रा निकाली। इसके बाद 29 मार्च से अखंड कीर्तन की शुरुआत हुई, जो लगातार 48 घंटे तक चलता रहा। मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्णाहुति के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन के दौरान नेहुसा बिगहा, नेहुसा, बामोचक समेत आसपास के गांवों में "हरे राम हरे कृष्ण" के भजन-कीर्तन से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। विभिन्न गांवों से आई कीर्तन मंडलियों ने लगातार संकीर्तन किया, जिसमें पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्येंद्र यादव, शिवालक यादव, जितेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, रामबालक यादव, टुनटुन चौहान, नरेश यादव, धर्मवीर यादव, पप्पू, कांति, उर्मिला और ढोलकिया सहित कई ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन के दौरान पूरे गांव में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का वातावरण बना रहा।

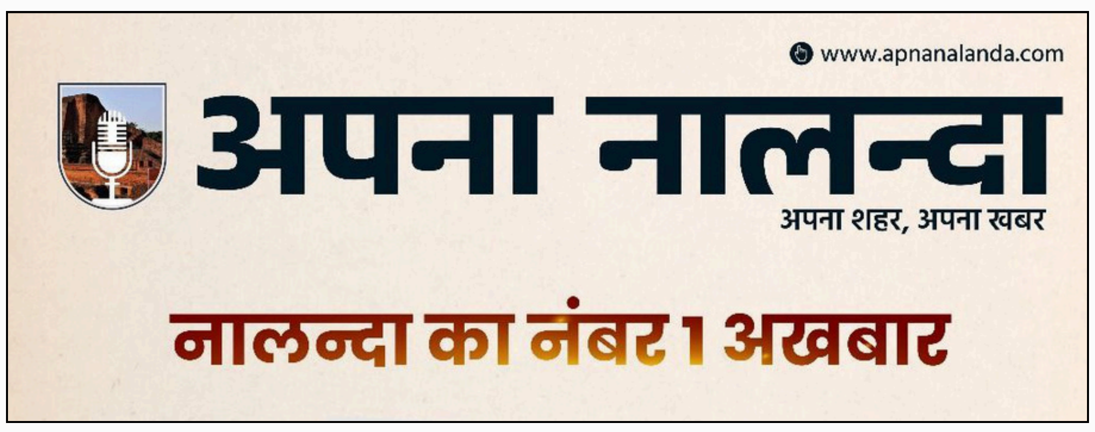

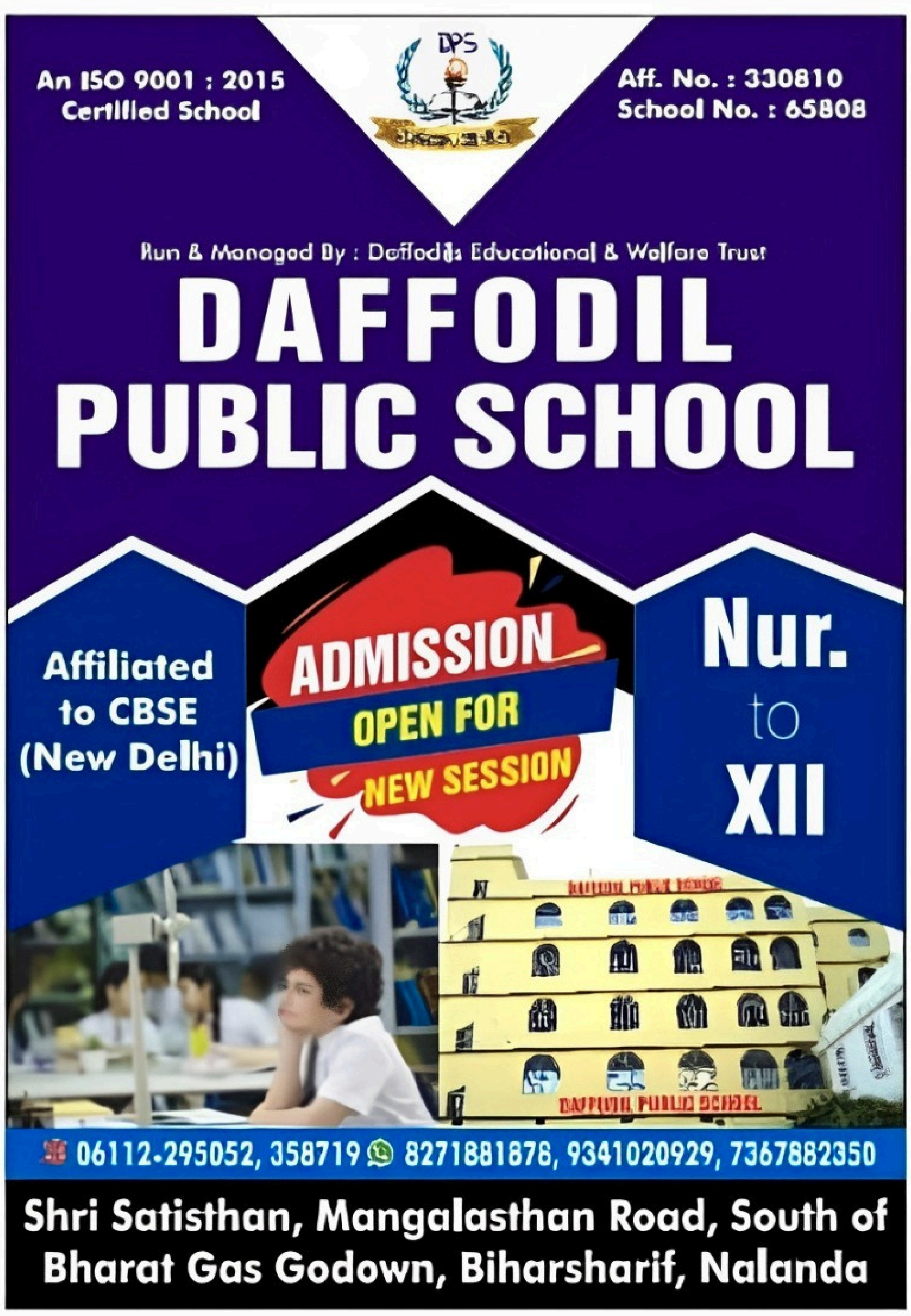

मजदूर की बेटी कावेरी कुमारी ने 474 अंक लाकर बढ़ाया गांव का मान

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)।इस्लामपुर प्रखंड के रानीपुर पंचायत अंतर्गत बिशुनपुर गांव निवासी राजेश रविदास की पुत्री कावेरी कुमारी ने मैट्रिक परीक्षा में 474 अंक प्राप्त कर अपने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कावेरी की इस शानदार सफलता से गांव और पंचायत में खुशी का माहौल है।

बताया जाता है कि कावेरी कुमारी के पिता राजेश रविदास मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पुत्री की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। कावेरी ने भी अपने माता-पिता के संघर्ष को समझते हुए मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई की और मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की।

कावेरी की इस उपलब्धि की जानकारी मिलते ही रानीपुर पंचायत की मुखिया रिंकू देवी एवं शिक्षक अनिल कुमार ने उसे सम्मानित किया। इस अवसर पर कावेरी को फूल-माला पहनाकर और शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया गया तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।मुखिया रिंकू देवी ने कहा कि कावेरी कुमारी ने 474 अंक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि कावेरी की सफलता यह साबित करती है कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कावेरी को बधाई देते हुए कहा कि उसकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

शिक्षक अनिल कुमार ने भी कावेरी की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई कर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना सराहनीय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कावेरी आगे भी इसी तरह मेहनत कर उच्च शिक्षा प्राप्त करेगी और अपने परिवार तथा समाज का नाम रोशन करेगी।

संपादकीय

जे पी चौधरी

चीनी सीसीटीवी कैमरों पर प्रतिबंध: राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती की ओर बड़ा कदम

देश भर में सुरक्षा की दीवार खड़ी करने के नाम पर लगाए जा रहे कैमरे अब खुद सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए थे। लेकिन अब सरकार ने इस चुपके से फैल रही जासूसी के जाल पर सख्ती से हमला बोला है। 1 अप्रैल 2026 से चीनी कंपनियों के इंटरनेट से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की बिक्री पर रोक लग जाएगी। हिकविजन, दाहुआ और टीपी लिंक जैसे ब्रांड बिना एसटीक्यूसी सर्टिफिकेशन के अब बाजार में नहीं आ सकेंगे। यह फैसला सिर्फ बाजार को बदलने वाला नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा को नई दिशा देने वाला है। हाल की घटनाओं ने साफ कर दिया कि सस्ते कैमरों के पीछे कितना बड़ा खतरा छिपा था। पिछले कुछ हफ्तों में गाजियाबाद पुलिस ने एक ऐसा जासूसी गिरोह पकड़ा, जिसमें पाकिस्तान की आईएसआई सीधे भारतीय रेलवे स्टेशनों की निगरानी कर रही थी। दिल्ली कैंट और सोनीपत स्टेशन के पास सोलर पैनल वाले छिपे कैमरे लगाए गए थे। इनकी लाइव फीड पाकिस्तान तक पहुंच रही थी। अठारह दिन तक सोनीपत स्टेशन के प्लेटफॉर्मों की हर गतिविधि दुश्मन की स्क्रीन पर दिख रही थी। यह सिर्फ एक मामला नहीं था। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे देश में सीसीटीवी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने सभी बड़े शहरों में हर कैमरे की फिजिकल वेरिफिकेशन का आदेश दिया है। क्योंकि पता चला कि कई कैमरे न सिर्फ विदेशी सर्वर से जुड़े थे, बल्कि उनकी फीड बिना किसी की जानकारी के बाहर भेजी जा रही थी।भारत में सीसीटीवी का विस्फोटक विस्तार हुआ है। हर घर के गेट पर, ड्रॉइंग रूम में, बच्चों के कमरे के बाहर, यहां तक कि किचन और बेडरूम तक कैमरे लग रहे हैं। कीमतें गिरने के कारण चीन से सस्ते हार्डवेयर आयात हो रहे थे। भारतीय कंपनियां उन पर अपना स्टिकर चिपका कर बेच रही थीं। लेकिन हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों में कमजोरियां थीं। कैमरा सेटअप करते ही यूजर को कंसेंट देना पड़ता था कि कंपनी रिकॉर्डिंग को ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल करेगी। इसका मतलब साफ था कि आपकी निजी जिंदगी किसी और की स्क्रीन पर भी हो सकती है। डेटा विदेशी सर्वर पर जा रहा था। पासवर्ड डिफॉल्ट रखे जाते थे। इंस्टॉलर सालों तक उसी पासवर्ड से एक्सेस रखता था। फर्मवेयर अपडेट नजरअंदाज कर दिए जाते थे। नतीजा यह कि घर की हर गतिविधि, कब कौन आया, कब बाहर गया, सब किसी और के पास पहुंच जाता था।यह खतरा सिर्फ घरों तक सीमित नहीं था। पब्लिक जगहों पर लगे कैमरे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और भी खतरनाक साबित हो रहे थे। रेलवे स्टेशनों, सरकारी दफ्तरों और संवेदनशील इलाकों में भी यही चीनी कैमरे लगे थे। हाल की जासूसी घटनाओं ने दिखा दिया कि दुश्मन इन्हें आसानी से हाइजैक कर सकता है। मिडिल ईस्ट की हालिया जंग में भी सीसीटीवी को टारगेट बनाकर प्रेसाइज अटैक किए गए थे। भारत में भी यही आशंका थी। इसलिए सरकार ने अब सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। मीटवाई ने सीसीटीवी के लिए एसेंशियल रिक्वायरमेंट्स तय किए हैं। हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सोर्स कोड, सबकी जांच होगी। बिना सर्टिफिकेशन के कैमरे बेचना गैरकानूनी होगा। यह नियम सरकारी खरीद पर पहले से लागू था, लेकिन अब निजी बाजार पर भी पूरी तरह लागू हो जाएगा।

विश्व रिकॉर्ड की दहलीज पर "सुपर गोनू": निर्माता सचिन साहू ने रचा इतिहास, एआई तकनीक और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम

मुंबई(अपना नालंदा)। भारतीय फिल्म जगत और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। युनिक प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले, लेखक-निर्माता - निर्देशक और अभिनेता सचिन साहू अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म "सुपर गोनू" के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर हैं।

इस फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता अभिनेता सचिन साहू द्वारा निभाए गए पांच चुनौतीपूर्ण किरदार हैं। उन्होंने एक ही फिल्म में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों के किरदारों के साथ-साथ 'सुपर गोनू' नामक एक सुपरहीरो की भूमिका भी निभाई है। यह प्रयास न केवल अभिनय की दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि आधुनिक एआई तकनीक का उपयोग करने वाली यह दुनिया की अपनी तरह की पहली फिल्म होने का दावा करती है।

मुख्य विशेषताएं:

धार्मिक एकता का संदेश: फिल्म के माध्यम से 'सर्वधर्म सम्भाव' और वैश्विक शांति का संदेश दिया गया है। अत्याधुनिक तकनीक: फिल्म में गूगल के नवीनतम एआई मॉडल्स का उपयोग दृश्यों और प्रभाव को बेहतर बनाने के लिए

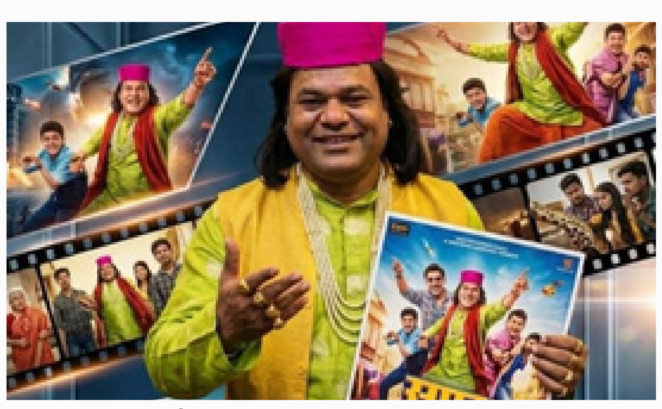

किया गया है।विश्व रिकॉर्ड का दावा: निर्माता सचिन साहू ने इस अनूठे प्रयोग के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना दावा पेश किया है।

इस अवसर पर सचिन साहू ने कहा, "सुपर गोनू केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो तकनीक के माध्यम से मानवता और भाईचारे को जोड़ता है। हमने वह कर दिखाया है जो अब तक हॉलीवुड या बॉलीवुड में किसी ने नहीं किया। यह भारत के लिए गर्व का क्षण होगा।"

फिल्म में दिग्गज अभिनेता रज़ा मुराद जैसे कलाकारों की अभिनयकरते नजर आयेगे सचिन साहू के साथ जो इस प्रोजेक्ट की भव्यता को और बढ़ाती है। युनिक प्रोडक्शन हाउस अब इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर रिलीज करने की तैयारी कर रहा है।

बिहारशरीफ में फिजियोथेरेपी का आधुनिक केंद्र बना लोगों के लिए वरदान

शॉकवेव थेरेपी से मिल रहा दर्द और स्तंभन समस्या से राहत

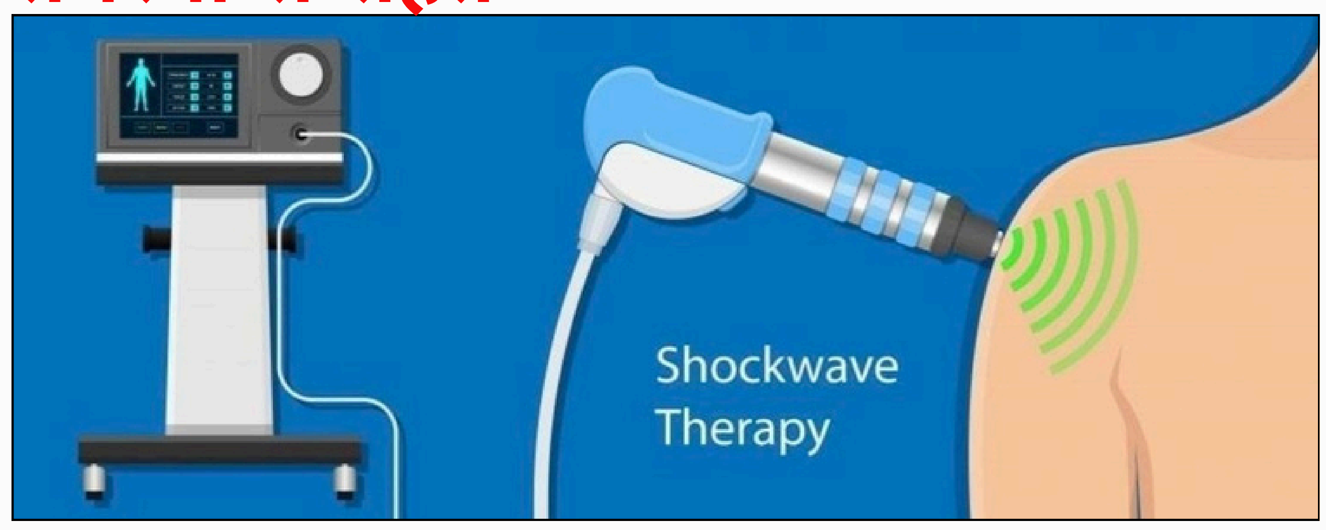

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।शहर में फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के साथ उपचार की नई सुविधा उपलब्ध हो गई है। दीपनगर थाना के समीप स्थित डेज फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के शारीरिक दर्द और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं का उपचार किया जा रहा है। यह केंद्र आयुष्मान डिजिटल मिशन के अंतर्गत हेल्थ फैसिलिटी सेंटर के रूप में पंजीकृत है, जिससे मरीजों को भरोसेमंद और व्यवस्थित स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

इस अत्याधुनिक केंद्र में फिजियोथेरेपी की आधुनिक मशीनों के माध्यम से जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों के खिंचाव, नसों के दर्द तथा समय में पुरुषों के बीच तेजी से बढ़ती समस्या बनती जा रही है। इस स्थिति में पुरुषों को पर्याप्त इरेक्शन प्राप्त करने या उसे बनाए रखने में कठिनाई होती है। इसका मुख्य कारण लिंग में रक्त प्रवाह का कम होना होता है।विशेषज्ञों का कहना है कि इरेक्टाइल डिसफंक्शन के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें रक्त वाहिकाओं का अवरुद्ध होना, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, धूम्रपान, तनाव, चिंता, पर्याप्त व्यायाम की कमी और अनियमित नींद शामिल हैं। पहले इस समस्या के इलाज के लिए दवाइयों, इंजेक्शन या सर्जरी का सहारा लिया जाता था, लेकिन अब लो-इंटेंसिटी शॉकवेव थेरेपी एक प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आई है।

शरीर से संबंधित कई अन्य समस्याओं का इलाज किया जाता है। यहां आई- टेकार और अन्य उन्नत तकनीक वाली मशीनों से उपचार कर मरीजों को राहत दी जा रही है। कई बार सामान्य उपचार से जब दर्द में पर्याप्त सुधार नहीं होता, तब उन्नत तकनीक वाली शॉकवेव थेरेपी का सहारा लिया जाता है।

शॉकवेव थेरेपी को फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी उपचार पद्धति माना जाता है। यह एक गैर-आक्रामक विधि है, जिसमें बिना किसी सर्जरी के तेज और लंबे समय से चल रहे दर्द का इलाज किया जाता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से शरीर के प्रभावित हिस्सों में विशेष प्रकार की तरंगें भेजी जाती हैं, जिससे रक्त संचार बढ़ता है और क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इसके कारण जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों की सूजन और पुरानी चोटों में काफी राहत मिलती है।

इसके अलावा शॉकवेव थेरेपी का उपयोग पुरुषों में होने वाली स्तंभन समस्या के उपचार में भी किया जा रहा है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार इरेक्टाइल डिसफंक्शन आज के

यह उपचार पूरी तरह से गैर-सर्जिकल है और इसमें किसी प्रकार का दर्द या गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होता। चिकित्सकों के अनुसार वैज्ञानिक शोधों में भी यह प्रमाणित हुआ है कि लो-इंटेंसिटी शॉकवेव थेरेपी से रक्त प्रवाह में सुधार होता है और इरेक्टाइल फंक्शन को दोबारा सक्रिय करने में मदद मिलती है।

उपचार की प्रक्रिया भी काफी सरल होती है। एक सत्र लगभग 15 से 20 मिनट का होता है। इसमें मरीज को आराम से लिटाया जाता है, फिर विशेष उपकरण के माध्यम से नियंत्रित शॉकवेव दी जाती है। उपचार के बाद मरीज को कुछ जरूरी सावधानियों और जीवनशैली से संबंधित सुझाव भी दिए जाते हैं, जिससे बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके।

डेज फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर के इस आधुनिक उपचार से बिहारशरीफ और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अब बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञों की देखरेख में यहां मरीजों को राहत दर पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिहार में नेतृत्व का प्रश्न: संकेतों के बीच उभरती भाजपा की नई पटकथा

नागपुर की हलचल ने बढ़ाया सियासी तापमान, क्या तय हो रहा है नया चेहरा?

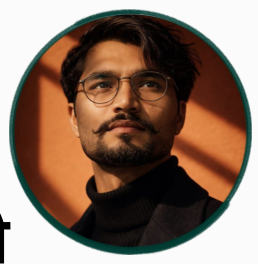

संगठन, सामाजिक समीकरण और चुनावी रणनीति—किस पर लगेगी अंतिम मुहर?

(वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया)

बिहार की राजनीति में इन दिनों जो सबसे बड़ा प्रश्न तैर रहा है, वह केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि नेतृत्व की दिशा का है। भारतीय जनता पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चल रही अटकलें अब महज चर्चाओं तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि संकेतों और घटनाक्रमों के जरिए एक ठोस रूप लेती दिखाई दे रही हैं। नागपुर में पार्टी के शीर्ष वैचारिक और संगठनात्मक केंद्र पर कुछ चुनिंदा नेताओं की मौजूदगी ने इन अटकलों को और भी धार दी है।

दरअसल, भाजपा की राजनीति में नागपुर का महत्व केवल एक स्थान भर नहीं है; यह वह केंद्र है जहां दीर्घकालिक रणनीतियों की रूपरेखा तैयार होती है। ऐसे में जब बिहार से जुड़े नेताओं को वहां बुलाया जाता है, तो यह स्वाभाविक रूप से बड़े राजनीतिक फैसलों की पूर्वपीठिका के रूप में देखा जाता है। संजीव चौरसिया का नाम जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया में प्रमुखता से उभर रहा है, वह यह संकेत देता है कि पार्टी किसी नए प्रयोग या बदलाव की दिशा में सोच रही है।

हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भाजपा अपनी परंपरागत शैली में अंतिम निर्णय को लेकर अत्यंत गोपनीयता बनाए रखती है। यही कारण है कि प्रेम कुमार जैसे अनुभवी और लंबे समय से संगठन तथा सरकार दोनों में सक्रिय रहे नेता भी इस दौड़ से बाहर नहीं माने जा सकते। उनके पक्ष में अनुभव, प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक विश्वास जैसे कारक मौजूद हैं।

बिहार की राजनीति को समझने के लिए केवल व्यक्तियों के नाम पर्याप्त नहीं होते; यहां सामाजिक समीकरणों की भूमिका अत्यंत निर्णायक होती है। भाजपा पिछले कुछ वर्षों में अपने सामाजिक विस्तार को लेकर जिस तरह से प्रयासरत रही है, उसमें नए नेतृत्व को सामने लाना एक रणनीतिक कदम हो सकता है। संजीव चौरसिया जैसे चेहरे को आगे बढ़ाना इस दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा सकता है कि वे एक ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां पार्टी अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहती है।

दूसरी ओर, यह भी ध्यान रखना होगा कि बिहार में स्थिरता और अनुभव की मांग भी उतनी ही प्रबल रहती है। यही वह बिंदु है जहां प्रेम कुमार जैसे नेताओं की प्रासंगिकता बनी रहती है। वे उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने संगठन को खड़ा करने से लेकर सत्ता संचालन तक की पूरी यात्रा देखी है। ऐसे में भाजपा के सामने यह दुविधा स्वाभाविक है कि वह परिवर्तन और निरंतरता के बीच संतुलन कैसे स्थापित करे।इस पूरे परिदृश्य में नीतीश कुमार का प्रभाव भी अप्रत्यक्ष रूप से मौजूद है। भले ही वर्तमानराजनीतिक समीकरणों में बदलाव आते रहे हों, लेकिन बिहार की राजनीति में उनकी उपस्थिति ने एक विशेष राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया है—जहां गठबंधन, संतुलन और रणनीतिक लचीलापन अहम भूमिका निभाते हैं। भाजपा यदि इस संस्कृति से अलग जाकर अपने दम पर एक स्पष्ट नेतृत्व स्थापित करना चाहती है, तो उसे एक ऐसा चेहरा सामने लाना होगा जो न केवल संगठन के भीतर स्वीकार्य हो, बल्कि जनता के बीच भी विश्वसनीयता रखता हो।

यहां यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या भाजपा इस बार 'सोलो लीडरशिप मॉडल' की ओर बढ़ रही है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ने विभिन्न राज्यों में जिस प्रकार से स्पष्ट मुख्यमंत्री चेहरों के साथ चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति अपनाई है, वह बिहार में भी दोहराई जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो संजीव चौरसिया का नाम इस रणनीति के अनुरूप प्रतीत होता है—एक ऐसा चेहरा जो अपेक्षाकृत नया है, लेकिन संगठनात्मक रूप से सक्रिय और स्वीकार्य भी।

हालांकि, भाजपा की एक विशेषता यह भी रही है कि वह समय-समय पर 'सरप्राइज एलिमेंट' का प्रयोग करती है। ऐसे में यह संभावना भी बनी रहती है कि अंतिम समय में कोई तीसरा नाम सामने आ जाए, जो वर्तमान चर्चाओं से परे हो। यह रणनीति विपक्ष को चौंकाने और आंतरिक संतुलन बनाए रखने, दोनों ही दृष्टियों से प्रभावी साबित हो सकती है।

विपक्ष की दृष्टि से देखें तो यह पूरा घटनाक्रम भाजपा के लिए जितना अवसर है, उतनी ही चुनौती भी। राष्ट्रीय जनता दल और अन्य विपक्षी दल लगातार यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि भाजपा के पास बिहार में कोई स्पष्ट नेतृत्व नहीं है। ऐसे में पार्टी के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इस धारणा को समय रहते तोड़े और एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश दे।

नागपुर की हालिया हलचल को यदि व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह केवल एक बैठक या परामर्श नहीं, बल्कि 2025 के विधानसभा चुनावों की तैयारी का प्रारंभिक संकेत प्रतीत होती है। इसमें केवल नेतृत्व चयन ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक पुनर्गठन, सामाजिक समीकरणों का पुनर्संतुलन और चुनावी मुद्दों की पहचान भी शामिल है।

वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया के अनुसार, "भाजपा बिहार में इस बार किसी भी तरह की अनिश्चितता के साथ चुनावी मैदान में नहीं उतरना चाहती। पार्टी का प्रयास है कि वह एक स्पष्ट, मजबूत और सर्वमान्य नेतृत्व के साथ जनता के सामने जाए। नागपुर में हुई गतिविधियां इसी दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखी जानी चाहिए।"

अंततः, बिहार की राजनीति में यह स्पष्ट है कि नेतृत्व का प्रश्न केवल एक व्यक्ति का चयन नहीं, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक निर्णय है। इसमें संगठन, समाज और सत्ता—तीनों के बीच संतुलन स्थापित करना होता है।

फिलहाल, संजीव चौरसिया, प्रेम कुमार या कोई अन्य—इन सभी नामों के बीच जो 'सस्पेंस' बना हुआ है, वह आने वाले समय में जरूर समाप्त होगा। लेकिन यह तय है कि जब भी भाजपा अपना अंतिम निर्णय घोषित करेगी, वह केवल एक नाम की घोषणा नहीं होगी, बल्कि बिहार की राजनीति की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा।

बिहारशरीफ मंदिर भगदड़ पर युवा नेता राजू दानवीर ने जताया शोक, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा के बिहार शरीफ स्थित माता शीतला मंदिर में हुई भगदड़ की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद हादसे पर युवा नेता राजू दानवीर ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज को अंदर तक आहत कर देती हैं और कई परिवारों की खुशियां एक पल में उजड़ जाती हैं।

राजू दानवीर ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि यह समय संवेदना, सहयोग और एकजुटता दिखाने का है, ताकि पीड़ित परिवार खुद को अकेला महसूस न करें।उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि प्रशासन को भी पूरी तत्परता के साथ राहत एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए भविष्य में सुरक्षा और भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई आंच न आए।

राजू दानवीर ने अंत में कहा कि यह हादसा हम सभी को मानवीय संवेदनाओं के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने पुनः दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि पूरा समाज इस दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है।

शीतला मंदिर हादसे पर विधान पार्षद रीना यादव ने जताया शोक

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।दीपनगर थाना क्षेत्र स्थित मां शीतला मंदिर परिसर में 31 मार्च 2026 को हुए दर्दनाक हादसे में 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य श्रद्धालु घायल हो गए। इस घटना पर विधान पार्षद रीना यादव एवं पूर्व विधान पार्षद राजू यादव ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

विधान परिषद प्रतिनिधि मोहम्मद एखलाक अहमद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही माननीय विधान पार्षद रीना यादव एवं पूर्व विधान पार्षद राजू यादव के निर्देश पर वे तुरंत बिहारशरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही मृतकों के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।जनप्रतिनिधियों ने इस दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे हादसे समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक होते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसके कारण घायलों को समय पर इलाज उपलब्ध कराया जा सका।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की ओर से मृतकों के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जा रही है। इस प्रकार कुल 6-6 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है।

विधान पार्षद रीना यादव ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद दी जाएगी।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

मैट्रिक टॉप-10 में स्थान पाने वाले आशीष रंजन और विष्णु कुमार सम्मानित

हिलसा (अपना नालंदा)।मैट्रिक परीक्षा में नालंदा जिला के टॉप-10 में स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चिकसौरा रोड स्थित आनंद कोचिंग संस्थान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सफल छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आशीष रंजन और विष्णु कुमार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आशीष रंजन ने 476 अंक प्राप्त कर नालंदा जिला में छठा स्थान हासिल किया, जबकि विष्णु कुमार ने 472 अंक प्राप्त कर जिला में दसवां स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा परमेश कुमार, प्रशांत पटेल और पिंटू कुमार को भी उनकी बेहतर सफलता के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सफल विद्यार्थियों को अंगवस्त्र, माला और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि इन छात्रों की मेहनत, लगन और अनुशासन ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह दर्शाती है कि निरंतर परिश्रम और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिलसा नगर परिषद के मुख्य पार्षद धनंजय कुमार ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है,जिसे कोई भी व्यक्ति चुरा नहीं सकता। शिक्षा ही मनुष्य को सही और गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सरकार भी छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ उठाकर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस मौके पर आनंद कोचिंग के संचालक मंटू कुमार ने कहा कि उनके संस्थान से विगत कई वर्षों से छात्र राज्य एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं। हालांकि उन्होंने कभी इसका व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं किया, क्योंकि उनका मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों की मेहनत ही किसी संस्थान की असली पहचान होती है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन देकर उन्हें सफलता की राह दिखाना है।

हिलसा निजी विद्यालय संघ के प्रवक्ता संतोष कुमार पार्थ ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, कला और अन्य अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी अधिक आत्मविश्वासी और सफल बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने, समय का सही उपयोग करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में कोचिंग संचालक शशि कुमार, अर्जुन कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि ये विद्यार्थी आगे चलकर समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम का समापन छात्रों को शुभकामनाएं देने के साथ हुआ।

अब मोती की खेती से चमकेगी नालंदा के किसानों की किस्मत - वीर अभिमन्यु

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। जिले के किसानों की किस्मत अब मोतियों की तरह चमक उठेगी। डीएम नालंदा का ड्रीम प्रोजेक्ट मोती की खेती की प्रशिक्षण के लिए आत्मा नालंदा की ओर से जिले के 40 किसानों को नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी सिलीगुड़ी भेजा गया। जहां सात दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे किसानों के चेहरे पर एक अलग ही चमक और उत्साह दिख रही है।

इसी क्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर वापस लौटे फार्मर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित प्रज्ञा कृषक हित समूह तिलैया-बड़हरी राजगीर के अध्यक्ष वीर अभिमन्यु सिंह ने बताया कि मोती की खेती मीठे पानी की सीपों के अंदर कृत्रिम रूप से मोती तैयार करने का एक अत्यधिक लाभदायक व्यवसाय है।

सबसे पहले 8 से 10 सेंटीमीटर का वयस्क और स्वस्थ्य सीप का चयन करते हैं। उसके बाद सीप की सर्जरी कर कृत्रिम नाभिक (न्यूक्लियस) डाला जाता है। नाभिक डालने के बाद सीप में जलन होती है। जिसके कारण सीप में NACRE नामक लार्वा का स्राव होता है जो धीरे-धीरे नाभिक के ऊपर परत दर परत जमते जाता है। और 18 से 20 महीने में कृत्रिम मोती बनकर तैयार हो जाती है। जिसकी कीमत₹300 से लेकर ₹1500 रुपए तक होती है।

लागत :

मोती की खेती बड़े तलाबों के अलावा आर्टिफिशियल तालाबों, सीमेंट की बनी टैंक या हौज में भी किया जा सकता है। 8 X 10 फीट का आर्टिफिशियल तालाब में 500 सीपों के साथ छोटे स्तर पर 50 से 60 हजार की लागत से शुरू की जा सकती है।

मुनाफा :

एक सीप से एक या दो मोती बनाए जा सकते हैं। जिनकी कीमत आकार और गुणवत्ता के आधार पर होती है। एक सीप से ₹300 से लेकर ₹1500 तक आमदनी हो सकती है। सीप का आकार जितना बड़ा होगा मोती का आकार भी उतना ही बेहतर होगा।

बाजार :

श्री अभिमन्यु ने बताया कि मोती की खेती के किसानों के लिए बाजार की कमी नहीं है। जिस तरह सोना महंगा होने से रोल गोल्ड का मांग अधिक है। उसी तरह प्राकृतिक मोती बहुत अधिक महंगी होने के कारण कृत्रिम मोती की मांग बहुत अधिक है।

प्रशिक्षण :

मोती की खेती के लिए उड़ीसा स्थित CIFA भुवनेश्वर या नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी सिलीगुड़ी से प्रशिक्षण लिया जा सकता है। नालंदा के इच्छुक किसान जिला पदाधिकारी या जिला कृषि पदाधिकारी से संपर्क कर निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

उपयुक्त समय :

मोती की खेती के लिए अक्टूबर से दिसंबर का महीना सबसे उपयुक्त समय होता है।

सब्सिडी : सरकारी योजना प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सब्सिडी दी जाती है।

कृषि विभाग का हमेशा यह प्रयास रहा है कि किसान परंपरागत खेती से हटकर कुछ नया करें। किसानों को नवाचारी बनाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। ईच्छुक सभी किसानों को पर्ल फार्मिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाना हमारा प्रयास होगा।

नितेश कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी नालंदा।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार

हिलसा में चंद्रशेखर उर्फ चंदू और श्याम नारायण यादव की शहादत बरसी मनाई गई

हिलसा (अपना नालंदा)।जवाहरलाल विश्वविद्यालय के दो बार छात्रसंघ अध्यक्ष रहे तथा भाकपा-माले के चर्चित नेता कामरेड चंद्रशेखर उर्फ चंदू और श्याम नारायण यादव की 29वीं शहादत बरसी मंगलवार को हिलसा प्रखंड कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंकलाबी नौजवान सभा के प्रखंड अध्यक्ष संजय पासवान ने की, जबकि संचालन प्रखंड सचिव ब्रह्मदेव प्रसाद बिंद ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कामरेड चंदू के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर इंकलाबी नौजवान सभा के दर्जनों नेता और भाकपा-माले के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले के प्रखंड सचिव अरुण यादव ने कहा कि कामरेड चंदू की शहादत से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि चंदू ने गरीबों के शोषण, दमन, सामाजिक असमानता और कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और संघर्ष कीविरासत आज भी प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि चंदू को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके मिशन को आगे बढ़ाया जाए और समाज में न्याय तथा समानता की लड़ाई को मजबूत किया जाए।

उन्होंने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। ऐसे समय में नौजवानों को गांव-गांव जाकर उनके विचारों को फैलाने और उनके क्रांतिकारी संघर्ष को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

कार्यक्रम में कार्यालय सचिव दिनेश कुमार यादव, जिला कमिटी सदस्य चुन्नू चंद्रवंशी, रामदास अकेला, शिव शंकर प्रसाद, मनोज पासवान, वीरेंद्र रविदास, अशोक रविदास सहित कई कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

प्राथमिक विद्यालय काजी बाजार में शिक्षक अमरेन्द्र कुमार को दीं गई भावभीनी विदाई

हिलसा (अपना नालंदा)।प्राथमिक विद्यालय काजी बाजार में कार्यरत शिक्षक अमरेन्द्र कुमार के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका सविता कुमारी ने की, जबकि संचालन शिक्षक जितेंद्र कुमार ने किया।

समारोह का विधिवत शुभारंभ समाजसेवी डॉ. आशुतोष कुमार मानव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने अमरेन्द्र कुमार के कार्यकाल और उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें एक आदर्श शिक्षक बताया। वक्ताओं ने कहा कि अमरेन्द्र कुमार ने अपने सेवाकाल के दौरान विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ मधुर संबंध बनाए रखे और हमेशा प्रेरक की भूमिका निभाई।

डॉ. आशुतोष कुमार मानव ने अपने संबोधन मेंकहा कि विद्यालय परिवार अमरेन्द्र कुमार के कार्यों को हमेशा याद रखेगा। उनकी कार्यकुशलता, समर्पण और अनुशासन सभी शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत है। वहीं एमडीएम प्रभारी सत्येंद्र कुमार ने कहा कि भले ही वे सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हों, लेकिन अब उनका सामाजिक दायित्व और बढ़ गया है।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से अमरेन्द्र कुमार को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और भावभीनी विदाई दी गई। विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विदाई काव्य ने कार्यक्रम को भावुक बना दिया, जिसे सुनकर कई लोगों की आंखें नम हो गईं।

प्रधानाध्यापिका सविता कुमारी ने अभिनंदन पत्र पढ़कर उनके सेवाकाल और योगदान का विस्तार से उल्लेख किया। इस दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी एक-एक कर उनके कार्यों की सराहना की। समारोह में रिंकू कुमारी, जितेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

हरनौत में डिजिटल जनगणना की तैयारी तेज, 9 अप्रैल से प्रगणक और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

हरिओम कुमार

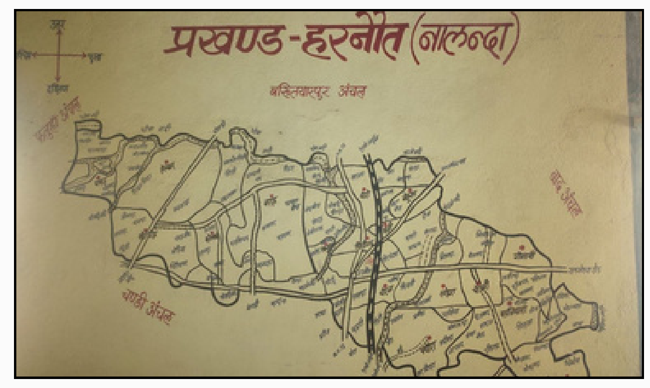

हरनौत (अपना नालंदा)। आगामी जनगणना को लेकर हरनौत प्रखंड प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पहली बार भारत सरकार द्वारा डिजिटल माध्यम से कराई जाने वाली जनगणना 2027 के लिए प्रखंड स्तर पर व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसको लेकर 9 अप्रैल से प्रगणक और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सह चार्ज पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि जनगणना के पहले चरण में मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इसके सफल संचालन के लिए प्रशासन की ओर से विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया है। इनमें कार्मिक कोषांग, सामग्री कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, सूचना प्रौद्योगिकी कोषांग तथा नियंत्रण कोषांग शामिल हैं। साथ ही वरीय नोडल पदाधिकारी, फील्ड प्रशिक्षक, प्रगणक और पर्यवेक्षक की भी प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि हरनौत प्रखंड क्षेत्र के लिए कुल 307 प्रगणक और 58 पर्यवेक्षक को प्रतिनियुक्त किया गया है। वहीं नगर पंचायत क्षेत्र के लिए 89 प्रगणक और 15 पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई है। इस प्रकार पूरे प्रखंड क्षेत्र में कुल 396 प्रगणक और 79 पर्यवेक्षक जनगणना कार्य में लगाए जाएंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित सभागार भवन में 9 अप्रैल से 17 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए कुल आठ बैच बनाए गए हैं, जिसमें प्रत्येक बैच में 40 से 50 प्रतिभागी शामिल रहेंगे। प्रत्येक बैच को तीन दिनों तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के पहले दो दिनों में फील्ड प्रशिक्षक रजनीश कुमार, सुजीत कुमार निराला, संतोष कुमार राय सहित अन्य प्रशिक्षक प्रोजेक्टर और मौखिक माध्यम से सैद्धांतिक जानकारी देंगे। इसके बाद तीसरे दिन प्रतिभागियों को पांच-पांच लोगों के समूह में विभाजित कर क्षेत्र में ले जाकर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि उन्हें घर-घर जाकर आंकड़े संकलित करने की पूरी प्रक्रिया समझाई जा सके।

डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत 17 अप्रैल से 1 मई 2026 तक कोई भी इच्छुक नागरिक पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकता है। इस प्रक्रिया में कुल 33 प्रकार की जानकारियां ली जाएंगी, जिनमें परिवार, मकान, उपलब्ध सुविधाएं और अन्य आवश्यक विवरण शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि स्व-गणना के बाद प्रगणक द्वारा उसका सत्यापन किया जाएगा। जनगणना के प्रथम चरण में प्रगणक घर-घर जाकर 33 बिंदुओं से संबंधित प्रश्न पूछेंगे और मोबाइल ऐप के माध्यम से आंकड़े एकत्रित करेंगे। इसमें मकान की स्थिति, शौचालय की उपलब्धता, वाहन, कंप्यूटर सहित अन्य सुविधाओं और वस्तुओं की जानकारी दर्ज की जाएगी।

बीडीओ ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान नागरिकों द्वारा दी गई सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 15(6) के तहत इन जानकारियों को न तो किसी न्यायालय में साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जा सकता है और न ही यह सूचना के अधिकार के दायरे में आती है।वहीं नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सह चार्ज पदाधिकारी सुमन सौरभ ने बताया कि नगर पंचायत के 19 वार्डों में जनगणना कार्य के लिए सभी प्रगणक और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि जनगणना का कार्य सुचारू और व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सके।

मघड़ा मंदिर भगदड़: प्रशासन की लापरवाही से हुई श्रद्धालुओं की मौत, माले ने डीएम-एसपी पर कार्रवाई की मांग की

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।दीपनगर थाना क्षेत्र स्थित माता शीतला मंदिर मघड़ा में हुई भगदड़ की घटना में 10 श्रद्धालुओं की मौत पर भाकपा-माले के नेताओं ने गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। पार्टी नेताओं ने घटना को जिला प्रशासन की गंभीर लापरवाही बताते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।भाकपा-माले के जिला सचिव कामरेड श्रीनिवास शर्मा, कामरेड अनिल पटेल, कामरेड मकसूदन शर्मा, नूरसराय प्रखंड सचिव कामरेड विनोद रजक सहित अन्य नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवारों और घायलों से मुलाकात की तथा उन्हें सांत्वना दी। नेताओं ने कहा कि चैत्र महीने के अंतिम मंगलवार को हर वर्ष मघड़ा मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इस वर्ष भी नालंदा के अलावा नवादा, पटना और शेखपुरा समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की ठोस व्यवस्था नहीं की गई थी। मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस बल, चिकित्सा दल, एंबुलेंस और मजिस्ट्रेट की तैनाती तक नहीं थी। श्रद्धालुओं को पूरी तरह अपने हाल पर छोड़ दिया गया, जिसके कारण भगदड़ जैसी दुखद घटना हुई।

माले नेताओं ने कहा कि यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता है, जिसके कारण निर्दोष लोगों की जान चली गई। उन्होंने सरकार से घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने, दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करने तथा मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये और घायलों को पांच लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मियों पर कार्रवाई कर मामले को दबाने की कोशिश स्वीकार्य नहीं होगी।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

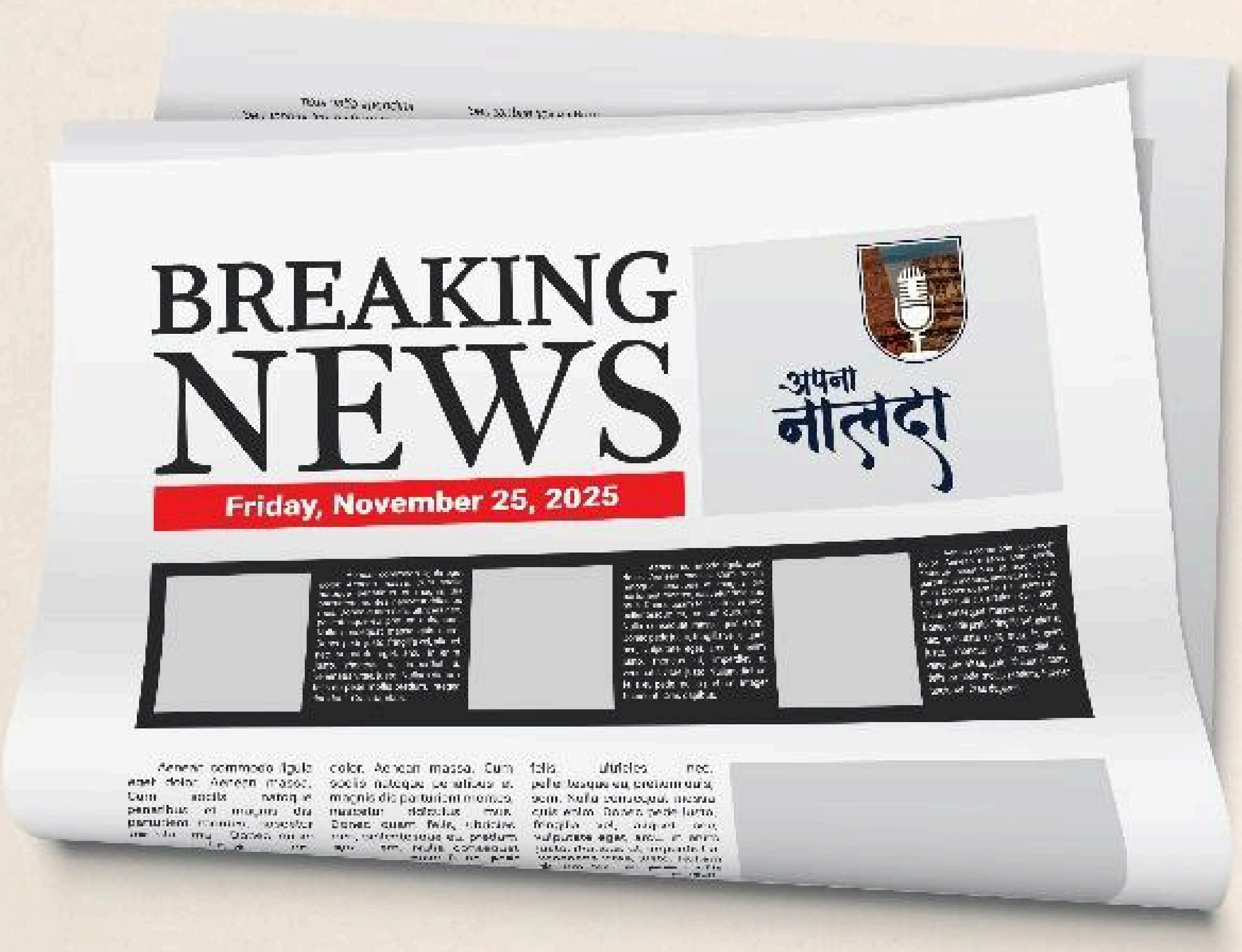

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251